वैश्विक व्यापार में भारत की बढ़ी ताकत

विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को मिलेगी रफ्तार

नई दिल्ली,19 जुलाई भारत और ब्रिटेन के बीच व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौता (सीईटीए) भारत की वैश्विक आर्थिक रणनीति में एक महत्वपूर्ण पड़ाव माना जा रहा है. यह समझौता केवल दो देशों के बीच व्यापार बढ़ाने तक सीमित नहीं है, बल्कि बदलते वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में भारत की बढ़ती भूमिका, रणनीतिक सोच और आर्थिक आत्मविश्वास का भी प्रतीक है.

ऐसे समय में जब दुनिया भू-राजनीतिक तनाव, संरक्षणवाद, आपूर्ति शृंखलाओं में बाधाओं और आर्थिक अनिश्चितताओं से जूझ रही है, तब एक विकसित अर्थव्यवस्था के साथ भारत का यह व्यापक समझौता देश को वैश्विक व्यापार और निवेश का अधिक विश्वसनीय साझेदार बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है.

पिछले कुछ वर्षों में भारत की व्यापार नीति में बड़ा बदलाव देखने को मिला है. पहले जहां मुक्त व्यापार समझौतों को लेकर सतर्क दृष्टिकोण अपनाया जाता था, वहीं अब सरकार ऐसे समझौतों को व्यापक आर्थिक साझेदारी के रूप में विकसित कर रही है.

> भारत-ब्रिटेन सीईटीए इसी नई सोच का उदाहरण है.समझौते के लागू होने से भारत के लगभग 99 प्रतिशत निर्यात उत्पादों को ब्रिटेन के बाजार में बेहतर पहुंच मिलने की संभावना है. इससे वस्त्र एवं परिधान, चमड़ा, इंजीनियरिंग उत्पाद, रत्न एवं आभूषण, औषधि, समुद्री उत्पाद तथा कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों के निर्यात को नई गति मिल सकती है. साथ ही ब्रिटेन से निवेश और तकनीकी सहयोग बढ़ने की उम्मीद भी जताई जा रही है, जिससे विनिर्माण और सेवा क्षेत्र दोनों को लाभ मिलेगा.

एफपीआई ने जुलाई में किया 22,868 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश

मुंबई, 19 जुलाई. एफपीआई ने भारतीय पूंजी बाजार में जुलाई में अब तक 22,868 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया है. शुद्ध निवेश बाजार में लगायी गयी पूंजी और बाजार से निकाली गयी पूंजी का अंतर होता है. यह लगातार दूसरा महीना है जब एफपीआई बाजार में लिवाल बने हुए हैं. इससे पहले जून में उन्होंने 4,699 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया था. एफपीआई ने एक जुलाई से 17 जुलाई तक इक्विटी में 11,897 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया है. डेट, हाइब्रिड उपकरणों और म्यूचुअल फंड में भी वे लिवाल रहे हैं.डेट में एफपीआई का शुद्ध निवेश 9,114 करोड़ रुपये रहा. हाइब्रिड उपकरणों में उन्होंने 83 करोड़ रुपये और म्यूचुअल फंड में 923 करोड़ रुपये का निवेश किया.

तकनीकी साझेदारी को मिलेगी नई रफ्तार

पीयूष गोयल ने दिग्गज कंपनियों से निवेश और सहयोग पर की चर्चा

नई दिल्ली, 19 जुलाई. भारत और फिनलैंड के बीच तकनीकी, औद्योगिक और निवेश सहयोग को नई दिशा देने के उद्देश्य से केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने फिनलैंड दौरे के दौरान कई प्रमुख कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों के साथ बैठकें कीं. इन बैठकों में उन्नत विनिर्माण, डिजिटल तकनीक, नवाचार, सतत बुनियादी ढांचे और अनुसंधान के क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने पर विस्तार से चर्चा हुई.

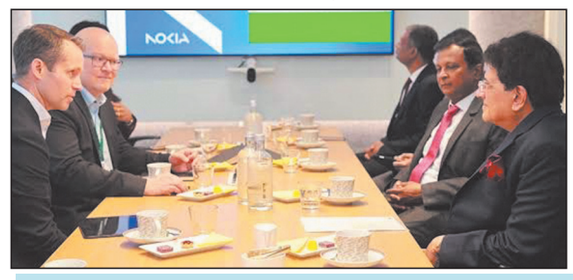

भारत-फिनलैंड बिजनेस फोरम के बाद हुई इन बैठकों को दोनों देशों के बीच बढ़ती रणनीतिक साझेदारी के महत्वपूर्ण कदम के रूप में देखा जा रहा है.पीयूष गोयल ने फिनलैंड की प्रमुख दूरसंचार कंपनी नोकिया कॉरपोरेशन के नेतृत्व से मुलाकात कर अगली पीढ़ी की संचार तकनीक, 5जी और 6जी नेटवर्क, डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर, इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग और अनुसंधान एवं विकास के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर बातचीत की.

> पीयूष गोयल ने कोने कॉरपोरेशन के चेयरमैन और वरिष्ठ अधिकारियों से भी मुलाकात की. इस बैठक में स्मार्ट शहरी बुनियादी ढांचे, लिफ्ट और एस्केलेटर तकनीक, टिकाऊ निर्माण समाधान, उन्नत विनिर्माण और स्थानीय उत्पादन को बढ़ावा देने जैसे विषय प्रमुख रहे. दोनों पक्षों ने भारत के तेजी से बढ़ते इंफ्रास्ट्रक्चर क्षेत्र और मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम में सहयोग के अवसर तलाशे.केम्पी ग्रुप के साथ हुई चर्चा में उन्नत औद्योगिक मशीनरी, वेल्डिंग तकनीक, विनिर्माण क्षेत्र में नवाचार और स्वच्छ औद्योगिक समाधानों पर जोर दिया गया.

एनएसई लॉन्च करेगा निफ्टी इंडिया एफपीआई

मुंबई, 19 जुलाई. नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) को निफ्टी इंडिया एफपीआई 150 इंडेक्स (निफ्टी एफपीआई) पर डेरिवेटिव्स शुरू करने के लिए नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया (सेबी) से मंजूरी मिल गई है. एनएसई की योजना 12 अगस्त, 2026 से इक्विटी डेरिवेटिव्स सेगमेंट में इन कॉन्ट्रैक्ट्स की शुरुआत करने की है.

इसमें लगातार तीन महीने की अवधि वाले इंडेक्स फ्यूचर्स और इंडेक्स ऑप्शंस कॉन्ट्रैक्ट्स उपलब्ध होंगे. इनका सेटलमेंट नकद (कैश) में होगा और हर महीने के आखिरी मंगलवार को इनकी एक्सपायरी होगी.

निफ्टी इंडिया एफपीआई 150 इंडेक्स को इस तरह तैयार किया गया है कि यह निफ्टी 500 में शामिल उन 150 बड़ी कंपनियों के प्रदर्शन को दर्शाए, जिनमें विदेशी निवेशकों के लिए निवेश करना आसान हो. इन कंपनियों का चयन पिछले छह महीनों के औसत फॉरेन इन्वेस्टिबल फ्री-फ्लोट मार्केट कैपिटलाइजेशन के आधार पर किया जाता है. इसमें उन्हीं कंपनियों को जगह मिलती है, जिनके शेयर्स में अच्छी खरीद-बिक्री होती है और जिनमें निवेश के लिए पर्याप्त शेयर उपलब्ध रहते हैं. इंडेक्स में हर कंपनी की हिस्सेदारी उसके फॉरेन इन्वेस्टिबल फ्री-फ्लोट मार्केट कैपिटलाइजेशन के आधार पर तय की जाती है.

जून 2026 तक के आँकड़ों के अनुसार, इस इंडेक्स में सबसे ज्यादा हिस्सेदारी फाइनेंशियल सर्विसेस सेक्टर की रही, जिसका वेटेज 26.15% है. इसके बाद ऑइल, गैस एंड कंज्यूमेबल फ्यूल्स सेक्टर का वेटेज 10.03% और हेल्थकेयर सेक्टर का 7.51% रहा.

> इस मौके पर एनएसई के चीफ बिजनेस डेवलपमेंट ऑफिसर श्री श्रीराम कृष्णन ने कहा, 'निफ्टी इंडिया एफपीआई 150 इंडेक्स पर डेरिवेटिव्स शुरू होने से हमारे मौजूदा इंडेक्स डेरिवेटिव्स पोर्टफोलियो को और मजबूती मिलेगी. निफ्टी इंडिया एफपीआई 150 इंडेक्स में भारतीय शेयर बाजार के 150 ऐसे प्रमुख शेयर शामिल हैं, जिनमें अच्छी खरीद-बिक्री होती है और जिनमें निवेश करना आसान है. अलग-अलग सेक्टर्स की कंपनियाँ शामिल होने की वजह से यह इंडेक्स निवेशकों को जोखिम कम करने और अपने निवेश को संतुलित रखने में मदद कर सकता है.'

एयरटेल की ध्वनि : कैसे पांच सुर एक ब्रांड के पर्याय बन गए

नयी दिल्ली, 19 जुलाई बहुत कम ब्रांड ऐसी होती हैं जिन्हें लोग आँखें बंद करके पहचान सकते हैं. न कोई प्रतीक चिह्न. न कोई टैगलाइन. न कोई सेलिब्रिटी. केवल पाँच सुर.

उन्हें कहीं भी बजाइए — किसी भीड़भाड़ वाले हवाई अड्डे पर, किसी मोहल्ले की मोबाइल दुकान पर, किसी कार्यालय में, या यहाँ तक कि किसी विवाह समारोह में — और संभावना है कि कोई न कोई सहज रूप से कह उठेगा, 'यह एयरटेल है. ज्यादातर मार्केटर ऐसी ब्रांड इक्विटी बनाने में दशकों लगा देतेहैं.

ए. आर. रहमान की प्रतिष्ठित एयरटेल सिग्नेचर धुन वर्ष 2026 में 25 वर्ष पूरे कर लेगी. इस दौरान, उसने वह उपलब्धि हासिल की है जो बहुत कम ब्रांड कभी प्राप्त कर पाती हैं — यह अब केवल एयरटेल से जुडी नहीं है; बल्कि खुद ब्रांड की पहचान बन गई है.

> एयरटेल की धुन को शक्तिशाली बनाने वाला कारक केवल नॉस्टेल्जिया नहीं, बल्कि निरंतरता है. एयरटेल की ब्रांडिंग और बाज़ार का संदर्भ वर्षों में बदला, किंतु मूल धुन स्थिर रही. इसे कई बार नवीनीकृत किया गया, जिसमें वर्ष 2013 में बुडापेस्ट सिम्फनी ऑर्केस्ट्रा के संगीतकारों के साथ पुन: रिकॉर्डिंग, वर्ष 2017 में दक्षिणी दर्शकों के लिए कर्नाटक शैली की व्याख्या और गायक-मंडलियों, इलेक्ट्रॉनिक डांस संगीत तथा क्षेत्रीय लोक प्रभावों वाले नवीनतम रूपांतरण शामिल हैं. फिर भी मूल धुन की पहचान अपरिवर्तित रही. यह महत्वपूर्ण है क्योंकि दूरसंचार एक ऐसी श्रेणी है जहाँ ब्रांड निरंतर योजनाओं, प्लान्स, कवरेज और नेटवर्क गति पर प्रतिस्पर्धा करते हैं.

जब एयरटेल ने यह धुन तैयार करवाई, तब भारत अपनी मोबाइल क्रांति का शुरुवाती दौर था. कंपनी एक विशिष्ट ब्रांड पहचान चाहती थी जो भाषा, साक्षरता और आय की बाधाओं से परे काम कर सके. निर्देश सीधा था: भारत को जुड़ा हुआ महसूस कराओ.

परंपरागत विज्ञापन जिंगल में बोल डालने के बजाय, रहमान ने एक संक्षिप्त, स्मरणीय पाँच-सुर की धुन रची जो बिना किसी शब्द के देश भर में यात्रा कर सके.

यह केवल कुछ सेकंड तक चलती थी, किंतु वे कुछ सेकंड भारत में अब तक सुने गए सबसे पहचाने जाने वाले व्यावसायिक म्यूजिक में से एक बना दिया द्य

इस धुन की खासियत यह थी की इसमें क्या छोड़ा. इसमें अनुवाद के लिए कोई बोल नहीं थे, कोई सेलिब्रिटी के चेहरे नहीं थे जो अंतत: बदल जाते, और कोई खास कैंपेन वाला संदेश नहीं था जो पुरबा पड़ जाता. यह सरल, भावनात्मक और सब के लिए एक जैसी थी.

वह सादगी ही इसकी सबसे बड़ी शक्ति बन गई. इस धुन को समझने के लिए न अनुवाद की आवश्यकता थी, न किसी अभिनेता की, और न किसी नारे की. इसका उपयोग रिचार्ज के क्षणों, ग्राहक सेवा, एयरटेल स्टोरों, होर्डिंग्स और टेलीविज़न विज्ञापनों में किया जा सकता था. कई मायनों में, यह एयरटेल का ऑडियो लोगो बन गया. शीघ्र ही यह सर्वत्र व्याप्त हो गई. इसने कॉलर ट्यून के माध्यम से ग्राहकों का स्वागत किया, एयरटेल स्टोरों में बजी, टेलीविज़न विज्ञापनों के साथ गूँजी और लाखों भारतीयों के पहले मोबाइल अनुभव का संगीत बन गई.

आईटीआर भरने की अंतिम तारीख नजदीक

नई दिल्ली, 19 जुलाई.वित्त वर्ष 2025-26 के लिए आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल करने की प्रक्रिया जारी है. आयकर विभाग ने ऑनलाइन फॉर्म और एक्सेल यूटिलिटी उपलब्ध करा दी है.

बिना लेट फीस के रिटर्न दाखिल करने की अंतिम तारीख 31 अगस्त 2026 तय की गई है. ऐसे में पहली बार आईटीआर भरने वाले लाखों करदाताओं के मन में कई तरह की शंकाएं हैं. उन्हें लगता है कि कहीं गलत फॉर्म न चुन लें, आय का कोई विवरण छूट न जाए या रिटर्न भरने के बाद कोई तकनीकी गलती न हो जाए. हालांकि, यदि कुछ जरूरी नियमों का पालन किया जाए और सभी दस्तावेज पहले से तैयार रखे जाएं, तो आईटीआर दाखिल करना न केवल आसान बल्कि पूरी तरह सुरक्षित प्रक्रिया बन सकता है.

आईटीआर भरने की शुरुआत सही फॉर्म के चयन से होती है. यदि किसी व्यक्ति की आय केवल वेतन, एक मकान और बैंक ब्याज जैसे सामान्य स्रोतों से है तो उसके लिए आईटीआर-1 (सहज) उपयुक्त है. वहीं, यदि आय में शेयर बाजार से पूंजीगत लाभ, एक से अधिक मकान या अन्य जटिल आय स्रोत शामिल हैं तो आईटीआर-2 भरना चाहिए.

आईडीबीआई बैंक का मुनाफा पांच प्रतिशत बढ़ा

नयी दिल्ली, 19 जुलाई आईडीबीआई बैंक ने चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 2,115 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दिखाया है जो एक साल पहले इसी तिमाही की तुलना में 5 प्रतिशत तथा पिछले वित्त वर्ष की चौथी तिमाही की तुलना में 9 प्रतिशत अधिक की वृद्धि दर्शाता है. आईडीबीआई लि. ने शनिवार को 2026-27 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून, 2026) तिमाही रिपोर्ट में बताया कि इस दौरान उसकी शुद्ध ब्याज से आय 3,486 करोड़ रुपये रही, जो वार्षिक आधार पर 10 प्रतिशत ज्यादा है.

सरकार ला रही नई फ्लेक्सिबल पेंशन स्कीम

नई दिल्ली, 19 जुलाई. कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) अपने बहुप्रतीक्षित 3.0 सुधार कार्यक्रम के तहत एक नई और अधिक लचीली पेंशन योजना लाने की तैयारी कर रहा है.

प्रस्तावित योजना का उद्देश्य केवल संगठित क्षेत्र के कर्मचारियों तक सीमित नहीं है, बल्कि ओला, उबर, स्विगी, जोमैटो जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म से जुड़े गिग और प्लेटफॉर्म वर्कर्स के साथ-साथ अधिक वेतन पाने वाले उन कर्मचारियों को भी सामाजिक सुरक्षा का दायरा उपलब्ध कराना है, जो वर्तमान कर्मचारी पेंशन योजना का पूरा लाभ नहीं ले पाते. हालांकि, यह योजना अभी विचार-विमर्श के चरण में है और इसके लागू होने की तिथि तय नहीं हुई है.

प्रस्तावित योजना की सबसे बड़ी विशेषता टारगेट रिटायरमेंट सम (TRS) मॉडल होगी. इसके तहत प्रत्येक सदस्य का अलग पेंशन अकाउंट होगा, जिसमें वह अपनी रिटायरमेंट के बाद मिलने वाली पेंशन या एकमुश्त राशि का लक्ष्य स्वयं तय कर सकेगा.

भारतगैस लाइट जिप सेवा शुरू

अब मिलेगा हल्का और स्मार्ट एलपीजी सिलेंडर, आसान होगा कनेक्शन

नई दिल्ली, 19 जुलाई रसोई गैस सिलेंडर के इस्तेमाल को और आसान बनाने के लिए भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) ने नई प्रीमियम एलपीजी सेवा भारतगैस लाइट जिप शुरू की है.

इस सेवा के तहत ग्राहकों को पारंपरिक लोहे के सिलेंडर की जगह हल्का और आधुनिक कंपोजिट एलपीजी सिलेंडर उपलब्ध कराया जाएगा. कंपनी का कहना है कि नई सेवा ग्राहकों की सुविधा, तेज डिलीवरी और बेहतर अनुभव को ध्यान में रखकर तैयार की गई है.आज के समय में लोगों की जीवनशैली तेजी से बदल रही है. ऐसे में एलपीजी सिलेंडर को उठाने, रखने और समय पर डिलीवरी जैसी परेशानियों को कम करने के लिए बीपीसीएल ने यह नई पहल की है. भारतगैस लाइट जिप सेवा के माध्यम से ग्राहकों को हल्के वजन वाला सिलेंडर मिलेगा, जिसे सामान्य स्टील सिलेंडर की तुलना में आसानी से उठाया और स्थानांतरित किया जा सकेगा.

इस नए कंपोजिट एलपीजी सिलेंडर की कई खासियतें हैं. यह सामान्य स्टील सिलेंडर की तुलना में हल्का होगा और इसमें जंग लगने की समस्या भी नहीं होगी. इसके अलावा सिलेंडर में बची हुई गैस का स्तर बाहर से आसानी से देखा जा सकेगा.

समाचार विशेष

क्या अखिलेश बचा पाएंगे आजम खान का किला?

रामपुर के सुल्तान की सत्ता खत्म...

रामपुर. उत्तर प्रदेश की राजनीति में एक दौर ऐसा भी था जब रामपुर का मतलब सिर्फ और सिर्फ आजम खान हुआ करता था. रामपुर का नवाब कोई और हों, लेकिन सियासत में नवाबी आजम खान की ही चलती थी. करीब चार दशकों तक रामपुर के आसमान पर उनका सियासी रसूख इस कदर छाया रहा कि उनके एक इशारे पर लखनऊ की हुकूमतें फैसले बदल दिया करती थीं. लेकिन वक्त का चक्र ऐसा घूमा कि कभी सत्ता के शीर्ष पर रहने वाले आजम खान आज न सिर्फ खुद जेल की सलाखों के पीछे दिन काट रहे हैं, बल्कि उनका सबसे बड़ा सपना मौलाना मोहम्मद अली जौहर यूनिवर्सिटी भी प्रशासनिक कार्रवाई की जद में आकर मलबे में तब्दील होने की कगार पर है.

हाल ही में रामपुर विकास प्राधिकरण और प्रशासन द्वारा उठाए गए सख्त कदमों ने यह सवाल बड़ा कर दिया है कि क्या यूपी चुनाव 2027 से पहले रामपुर में आजम खान का राजनीतिक अध्याय हमेशा के लिए बंद हो चुका है?

> भैंस चोरी पर अलर्ट होने वाली पुलिस से लेकर जेल की सलाखों तकआजम खान के राजनीतिक रसूख को समझने के लिए साल 2014 का वह चर्चित किस्सा आज भी याद किया जाता है जब उनके फार्म हाउस से सात भैंसें चोरी हो गई थीं. उस वक्त उत्तर प्रदेश की अखिलेश यादव सरकार में आजम खान नगर विकास मंत्री थे. भैंसें खोजने के लिए रामपुर पुलिस की कई टीमें, खोजी कुत्ते और क्राइम ब्रांच को लगा दिया गया. महज 24 से 36 घंटे के भीतर पुलिस ने भैंसें बरामद कर लीं. मीडिया रिपोर्ट्स तो यहां तक थीं कि थाने में लाकर बांधी गई भैंसों को मच्छरों से बचाने के लिए कोयल जलाई गई और पंखे तक चलाए गए. लेकिन 2017 में सूबे की सत्ता बदलने और योगी आदित्यनाथ के मुख्यमंत्री बनने के बाद हवा का रुख पूरी तरह बदल गया. आजम खान पर एक के बाद एक करीब 100 से ज्यादा मुकदमे दर्ज किए गए.

राजनीति के माहिर खिलाड़ी निकले पवार

केंद्र से महाराष्ट्र तक कई निशाने साध लिए

मुंबई. शरद पवार ने एक बार फिर से अपने फैसले से चौंका दिया है. राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद पवार) की कार्यकारी अध्यक्ष सुप्रिया सुले ने संसद के मॉनसून सत्र में सरकार की तरफ लाए जाने वाले 131वें संविधान संशोधन बिल का समर्थन करने के संकेत दिए हैं.

इस बिल के पास होने पर लोकसभा की कुल सीटों की संख्या 850 हो जाएगी. शरद पवार ने बिना एनडीए में शामिल हुए सिर्फ लोकसभा की सीटों की संख्या बढ़ाने वाले इस बिल को समर्थन करके काफी कुछ हासिल कर लिया है. शरद पवार के बीजेपी की मुश्किल वक्त में मदद करने एक झटके में उनकी पार्टी न सिर्फ सुरक्षित हो गई है बल्कि उनकी दिल्ली से लेकर महाराष्ट्र तक उनके सांसदों और विधायकों की पावर बढ़ गई है.

महाराष्ट्र के राजनीतिक विश्लेषक दयानंद नेने कहा की मानें तो यह शरद पटेल का काफी कटूनीतिक निर्णय हैं. उन्होंने इंडिया गठबंधन को न तो छोड़ा है और न ही वे एनडीए में गए हैं लेकिन लोकसभा के परिसीमन को सुनिश्चित करने के वाले बिल पर समर्थन देने के संकेत देकर बड़े सियासी हित साध लिए हैं.

बांकीपुर का किंगमेकर कौन?

15प्रतिशत कायस्थों के हाथ में बाजी

पटना. बांकीपुर विधानसभा सीट पर हो रहे उपचुनाव को लेकर सियासी हलचल तेज है. बीजेपी-राजद और जनसुराज के बीच यहां त्रिकोणीय मुकाबला होने की संभावना जताई जा रही है. तीनों पार्टियों के उम्मीदवार पूरी दमखम के साथ चुनावी मैदान में उतर चुके हैं.

हालांकि, नामांकन से ठीक पहले बीजेपी उम्मीदवार अभिषेक कुमार सिन्हा उर्फ बंटी ने चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया. फिर बांकीपुर उपचुनाव के लिए बीजेपी ने नीरज कुमार सिन्हा को दोबारा उम्मीदवार बनाया.

बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन बांकीपुर से 5 बार विधायक रह चुके हैं. हालांकि, उनके राज्यसभा जाने के बाद यह सीट खाली हुई थी और अब यहां उपचुनाव हो रहा है. पटना की बांकीपुर विधानसभा सीट बीजेपी के साथ-साथ राजद और जनसुराज के लिए भी काफी अहम है. एक तरफ इसे बीजेपी का अभेद्य किला बताया जाता है. वहीं, दूसरी ओर चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर पहली बार इस सीट से चुनावी मैदान में उतरे हैं. वहीं, राजद इस सीट पर कभी भी चुनाव नहीं जीती है.

सीट का राजनीतिक इतिहास

बांकीपुर पहले पटना पश्चिम विधानसभा सीट के अंदर आता था. नितिन नबीन के पिता नवीन किशोर सिन्हा साल 1995 में पहली बार यहां से चुनाव जीते थे. इसके बाद साल 2005 तक वह यहां से चुनाव जीतते रहे. हालांकि, 2005 विधानसभा चुनाव में जीतने के बाद नवीन किशोर सिन्हा का निधन हो गया. इसके बाद साल 2006 में हुए उपचुनाव में नितिन नबीन ने यहां से चुनाव लड़ा और जीतकर विधानसभा पहुंचे. 2008 में परिसीमन के बाद ये पटना पश्चिम विधानसभा बांकीपुर के नाम से अस्तित्व में आया.

बांकीपुर में कायस्थ वोटर अहम

बांकीपुर विधानसभा का जातीय समीकरण देखें तो इस सीट पर कुल 3 लाख 79 हजार मतदाता हैं. आमतौर पर यह सीट कायस्थ प्रभाव वाला माना जाता है. बांकीपुर में सबसे ज्यादा कायस्थ वोटर करीब 15 प्रतिशत हैं. इसके बाद यादव- 12 प्रतिशत, मुस्लिम- 10 प्रतिशत, चंद्रवंशी- 9 प्रतिशत, वैश्य- 9- प्रतिशत, दलित 8 प्रतिशत, भूमिहार- 7 प्रतिशत, ब्राह्मण- 7 प्रतिशत, राजपूत- 5 प्रतिशत, कुर्मी- 5 प्रतिशत और कुशवाहा- 3 प्रतिशत आते हैं. इस सीट पर कायस्थ वोटर्स निर्णायक माने जाते हैं जो कि पारंपरिक तौर पर भाजपा के कोर वोटर माने जाते हैं.

विशेष | भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के बयान से सियासी भूचाल!

क्या 2027 में योगी नहीं होंगे सीएम फेस?

लखनऊ. उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 से पहले भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी के एक बयान ने प्रदेश की राजनीति में नई बहस छेड़ दी है.

एक न्यूज चैनल के कार्यक्रम के दौरान जब उनसे पूछा गया कि क्या भाजपा आगामी चुनाव मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के चेहरे पर लड़ेगी, तो उन्होंने सीधे तौर पर इसकी पुष्टि नहीं की. उन्होंने कहा कि भाजपा एक संगठन आधारित पार्टी है और मुख्यमंत्री का फैसला चुनाव के बाद विधायक दल व पार्टी नेतृत्व द्वारा किया जाता है.

एक कार्यक्रम में पूछे गए सवाल के जवाब में पंकज चौधरी ने कहा, भाजपा संगठन आधारित पार्टी है. हम विचारधारा पर चलते हैं. यह कोई परिवारवादी पार्टी नहीं है. पार्टी में सर्वोच्च नेता नरेंद्र मोदी हैं.

प्रदेश में योगी आदित्यनाथ, नितिन नबीन, राजनाथ सिंह और अमित शाह जैसे नेता हैं. हम सब मिलकर चुनाव लड़ते हैं और उसके बाद तय करते हैं कि मुख्यमंत्री कौन होगा. उनके इस बयान के बाद राजनीतिक हलकों में कई तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं. वहीं पंकज चौधरी के बयान पर चुटकी लेते हुए अरविंद केजरीवाल ने भी प्रतिक्रिया दी है. दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने एक्स पर पूछा की क्या यह खबर सही है.

सोशल मीडिया पर तेज हुईं अटकलें- पंकज चौधरी के बयान के बाद सोशल मीडिया और राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा तेज हो गई कि क्या भाजपा 2027 का चुनाव किसी एक मुख्यमंत्री चेहरे के बजाय सामूहिक नेतृत्व के आधार पर लड़ेगी. हालांकि, भाजपा की ओर से मुख्यमंत्री बदलने या योगी आदित्यनाथ की भूमिका में बदलाव को लेकर कोई आधिकारिक संकेत नहीं दिया गया है.

राष्ट्रीय भूमिका को लेकर भी चर्चाएं

हाल के महीनों में कुछ राजनीतिक विश्लेषणों और सोशल मीडिया पोस्टों में यह दावा किया जाता रहा है कि योगी आदित्यनाथ की बढ़ती लोकप्रियता को देखते हुए उन्हें भविष्य में राष्ट्रीय राजनीति में बड़ी भूमिका मिल सकती है. हालांकि, इस तरह की अटकलों की भाजपा या सरकार की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है. हालांकि, इस तरह की अटकलों की भाजपा या सरकार की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है.